संयम का ये पथ भैय्या, आतम का ठिकाना है

संयम का यह पथ भैय्या

संयम का ये पथ भैय्या, आतम का ठिकाना है -2
बनके संयमी एक दिन,तुझे शिवपुर जाना है -2

(अंतरा 1)
दादा के दुलारे हो,दादी के प्यारे हो-2
रिस्ते ये दुनिया के सब छोड़ के जाना है-2
संयम का यह पथ.....
(अंतरा 2)
पापा तेरे दिल का मैं प्यारा सा टुकड़ा हु -2
छोड़ दुनियादारी को,घर आतम सजाना है-2
संयम का यह पथ.....
(अंतरा 3)
मैंय्या पे क्या बित रही,दुनिया वाले क्या जाने-2
कलेजे के टुकड़े को,अपने हाथों रवाना है-2
संयम का यह पथ.....
(अंतरा 4)
बहना तेरा भाई हु,पर एक मुसाफिर हु-2
दुनिया का बसेरा तो,आखिर भूल जाना है-2
संयम का यह पथ.....
(अंतरा 5)
भैय्या मेरे जीवन मे, तेरी याद सदा रहेगी-2
अपना ये मानस तो,ज्ञानिसा बनाना है -2
संयम का यह पथ.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33813/title/sanyyam-ka-ye-path-bhaiyya--aatam-ka-thikana-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |